हिन्दी नवयुग ग्रन्थमाला का छटा पुष्प

॥ ॐ ॥

अलङ्कार

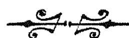
इसमें अलङ्कार तथा शिक्षा नामक दो सामाजिक

गल्प सम्मिलित हैं।

अनुवादक—

सैय्यद महम्मद हुसैन कुरैसी

गादी श्री रामपुर (हजारी बाग)



प्रकाशक—

हिन्दी नवयुग ग्रन्थमाला कार्य्यालय

काशी।

प्रथमावृत्ति १०००] [मूल्य ।=)